भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

17.07.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 342 का उत्तर

रेल लाइनों का दोहरीकरण/विद्युतीकरण

***342. श्री मोहम्मद सदीकः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की पंजाब में बठिण्डा और फिरोज़पुर छावनी के मध्य 87 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के दोहरीकरण और विद्युतीकरण के लिये कोई योजना/प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त कार्य कब तक आरंभ एवं पूरा किये जाने की संभावना है;

(ग) इस योजना पर कुल कितनी राशि व्यय किये जाने की संभावना है; और

(घ) क्या इस संबंध में वर्ष 2018-19 के बजट में कोई प्रावधान किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

रेल लाइनों के दोहरीकरण/विद्युतीकरण के संबंध में दिनांक 17.07.2019 को लोक सभा में श्री मोहम्मद सदीक के तारांकित प्रश्न सं.342 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): दोहरीकरण/तीसरी लाइन/चौथी लाइन परियोजनाएं रेलवे की परिचालनिक आवश्यकताओं के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, इसमें मौजूदा एकल लाइन की क्षमता संबंधी सीमाएं शामिल हैं। तदनुसार, बठिण्डा और फिरोज़पुर के दोहरीकरण के लिए 2015-16 में इंजीनियरी-सह-यातायात सर्वेक्षण किया गया था।

सर्वेक्षण रिपोर्ट के ऑंकड़ों के अनुसार, एकल लाइन की क्षमता का पूर्णतया उपयोग नहीं किया जाता है। 2017-18 में अनुरक्षण ब्लॉक सहित फिरोज़पुर कैंट-कोटकपुरा खंड की क्षमता उपयोगिता केवल 65% थी और कोटकपुरा-बठिण्डा खंड की क्षमता उपयोगिता केवल 90% थी।

बठिण्डा-फिरोज़पुर की मौजूदा एकल लाइन का विद्युतीकरण सितंबर 2018 में 223.93 करोड़ रु. की लागत पर स्वीकृत किया गया था। इस कार्य को मार्च 2022 तक पूरा करने की योजना बनाई गई है।

विद्युतीकरण पूरा होने के बाद खंड की क्षमता बढ़ जाएगी। इसलिए, बठिण्डा से फिरोज़पुर के दोहरीकरण को आगे नहीं बढ़ाया गया।

तथापि, क्षमता संवर्द्धन संबंधी परियोजनाओं अर्थात दोहरीकरण/तीसरी लाइन/चौथी लाइन पर रेलवे का प्रमुख ध्यान है। पिछले चार वर्षों (2015-16, 2016-17, 2017-18 एवं 2018-19) के दौरान 14,540 कि.मी. लंबाई वाली 158 परियोजनाएं बजट में शामिल की गई हैं, जो योजना/ अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

****